भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2890 का उत्तर

'तालचेर-बिमलगढ़' रेल परियोजना

2890. श्री रुद्र नारायण पाणी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा 'तालचेर-बिमलगढ़' रेल परियोजना को पूरा करने में तेजी लाने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस परियोजना के किस समय तक पूरा होने की उम्मीद है;

(ग) क्या पलालाहड़ा तक निर्माण कार्य दिसंबर 2026 के अंत तक पूरा होने की संभावना है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का पूरे हो चुके निर्माण कार्य को ध्यान में रखते हुए, खम्मार (खामारा) तक यात्री ट्रेनें चलाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार पलालाहड़ा सदर के पास (1.5-2 किमी के भीतर) पलालाहड़ा रेलवे स्टेशन के निर्माण की मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): तालचेर-बिमलगढ़ (150 कि.मी.) नई लाइन परियोजना उत्तरी ओडिशा के अंगुल, देवगढ़ और सुंदरगढ़ जिलों से गुजरती है।

परियोजना की नवीनतम लागत ₹3,390 करोड़ है। इस परियोजना पर मार्च, 2026 तक ₹1,901 करोड़ का व्यय उपगत किया गया है। वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ₹950 करोड़ का परिव्यय प्रदान किया गया है।

परियोजना की खंड-वार स्थिति निम्नानुसार है :-

क्र.सं.	रेलखंड	स्थिति
1	तालचेर - खमार (48 कि.मी.)	चालू किया गया।
2	खमार - गोलाबंधा (35 कि.मी.)	137 हेक्टेयर अपेक्षित भूमि में से 110 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। उपलब्ध भूमि पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। 61 में से 41 छोटे पुलों का निर्माण किया जा चुका है और शेष छोटे पुलों पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। 11 में से 3 ऊपरी सड़क पुलों का कार्य पूरा किया जा चुका है और शेष ऊपरी सड़क पुलों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। 16 में से 12 निचले सड़क पुलों का कार्य पूरा किया जा चुका है और शेष निचले सड़क पुलों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। पलाहाडा सदर के पास पलाहाडा स्टेशन भवन पर कार्य शुरू कर दिया गया है।
3	गोलाबंधा - महुलडीहा (35 कि.मी.)	113 हेक्टेयर अपेक्षित भूमि में से 69 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है।
4	महुलडीहा - बिमलगढ़ (32 कि.मी.)	134 हेक्टेयर अपेक्षित भूमि में से 108 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। वानिकी और वन्यजीव स्वीकृति प्राप्त की गई है। उपलब्ध भूमि में निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। 72 में से 39 छोटे पुलों का निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है और शेष छोटे पुलों पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। 25 में से 12 निचले सड़क पुलों का कार्य पूरा किया जा चुका है और शेष निचले सड़क पुलों का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

ओडिशा

रेल बजटः

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	₹838 करोड़/वर्ष
2026-27	₹10,928 करोड़ (13 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथों की कमीशनिंग/को बिछाने के कार्य का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किया गया नया रेलपथ	प्रति वर्ष नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	267 कि.मी.	53 कि.मी.
2014-26	2,236 कि.मी.	186 कि.मी. (3.5 गुना से अधिक)

स्वीकृत परियोजनाएं:

दिनांक 01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 81,739 करोड़ रुपए लागत की 4,256 कि.मी. कुल लंबाई की 55 परियोजनाएं (19 नई लाइनें और 36 दोहरीकरण/बहुपथन) स्वीकृत की गई हैं। सारांश निम्नानुसार है:-

कोटि	स्वीकृत परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2026 तक किया गया कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	19	1,544	277	7,288
दोहरीकरण/बहुपथन	36	2,712	1,309	21,675
कुल	55	4,256	1,586	28,963

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएं:

ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना का नाम	लागत (करोड़ रु. में)
1	दैतारी-बांशपानी नई लाइन और जखपुरा-हरिदासपुर तीसरी लाइन (179 कि.मी.)	1,317

2	झारसुगुडा - सरडेगा नई लाइन (53 कि.मी.)	1,598
3	हरिदासपुर-पारादीप नई लाइन (82 कि.मी.)	2,397
4	अंगुल-सुकिन्दा नई लाइन (104 कि.मी.)	2,834
5	चंपा-झारसुगुडा तीसरी लाइन (152 कि.मी.)	1,227
6	संबलपुर-टिटलागढ़ दोहरीकरण (182 कि.मी.)	2,262
7	राउरकेला-झारसुगुडा तीसरी लाइन (101 कि.मी.)	1,313
8	बांशपानी-जखपुरा दोहरीकरण (164 कि.मी.)	1,827
9	संबलपुर-तालचेर दोहरीकरण (174 कि.मी.)	1,539
10	रायपुर-टिटलागढ़ दोहरीकरण (203 कि.मी.)	1,171
11	झारसुगुडा-सरडेगा दोहरीकरण (50 कि.मी.)	3,200

चालू परियोजनाएं:

इसके अलावा, ओडिशा राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली शुरू की गई कुछ प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार हैं:

क्र.सं	परियोजना का नाम	कुल लागत (करोड़ रु. में)
1	जूनागढ़-नबरंगपुर नई लाइन (116 कि.मी.)	2,865
2	नवरंगपुर-जयपुर नई लाइन (41 कि.मी.)	748
3	जयपुर-मल्कानगिरी नई लाइन (130 कि.मी.)	2,344
4	मल्कानगिरी-पांडुरंगापुरम नई लाइन (174 कि.मी.)	3,592
5	बुढ़ामरा-चाकुलिया नई लाइन (60 कि.मी.)	1,459
6	गुनुपुर-थेरुबाली नई लाइन (74 कि.मी.)	1,166
7	पुरी-कोणार्क नई लाइन (32 कि.मी.)	492
8	बदामपहाड़-केन्दुझरगढ़ नई लाइन (82 कि.मी.)	1,876
9	बांगिरिपोषी-गोरुमाहिषानी नई लाइन (86 कि.मी.)	2,269
10	बरगढ़ रोड-नुआपड़ा रोड नई लाइन (138 कि.मी.)	2,622
11	निर्गुण्डी-विजयनगरम तीसरी लाइन (385 कि.मी.)	4,963
12	विजयनगरम-टिटलागढ़ तीसरी लाइन (265 कि.मी.)	6,996
13	संबलपुर - जरपड़ा तीसरी और चौथी लाइन (127 कि.मी)	3,574
14	राज आठगड़ से होकर बूढ़ापंक- सालेगांव के बीच तीसरी और चौथी लाइन (170 कि.मी)	3,035
15	कोत्तवलसा-कोरापुट दोहरीकरण (189 कि.मी.)	3,580
16	कोरापुट-सिंगापूर रोड़ दोहरीकरण (165 कि.मी.)	2,462
17	जगदलपुर-कोरापुट दोहरीकरण (107 कि.मी.)	1,547

क्र.सं	परियोजना का नाम	कुल लागत (करोड़ रु. में)
18	झारसुगुड़ा-बिलासपुर चौथी लाइन (206 कि.मी.)	2,596
19	झारसुगुड़ा-साशन तीसरी और चौथी लाइन (35 कि.मी)	1,113
20	बन्डामुन्डा-रांची दोहरीकरण (159 कि.मी.)	3,029
21	नारायणगढ़-भद्रक तीसरी लाइन (153 कि.मी.)	3,425
22	भद्रक-निर्गुण्डि तीसरी लाइन (92 कि.मी.)	1,632
23	निर्गुण्डि पर रेल पुल के साथ कटक-निर्गुण्डि चौथी लाइन (16 कि.मी)	759
24	डांगोवापोसी-जरोली (बांशपानी) तीसरी और चौथी लाइन (43 कि.मी)	1,638
25	तालचेर स्टेशन पर पुल के साथ जरपड़ा- बुढ़ापंक के बीच तीसरी और चौथी लाइन (101 कि.मी.)	929
26	बन्डामुन्डा ए केबिन से बन्डामुन्डा बी केबिन तक पुल (5 कि.मी)	135

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- भूमि अधिग्रहण
- वानिकी स्वीकृति
- अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण
- विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ
- क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ
- परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति
- विशेष परियोजना स्थल आदि के लिए एक वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या।

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

इसके अलावा, किसी भी मार्ग/खंड पर नई रेलगाड़ी सेवाएं शुरू करना एक सतत प्रक्रिया है, जो निम्नलिखित विभिन्न कारकों पर निर्भर करती है:

- उस खंड की क्षमता
- पथ की उपलब्धता
- अपेक्षित चल स्टॉक की उपलब्धता
- रेलपथों और अन्य परिसंपत्तियों के अनुरक्षण की आवश्यकता
- खंड की अधिभोगिता और यातायात मांग

****